



भारत का यज्ञ पत्र The Gazette of India

असाधारण - EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड १
PART I—Section 1

**प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY**



- 110 -

No. 110]

काई विल्सन, गमिनीकर, प्रगति 18, 1984/भाषण 27, 1906

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 18, 1984/SRAVANA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही आती है जिससे कि वह लकड़ा संकलन के कथ वे रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

बाणिज्य मंजालय

(आयत्त व्यापार विवरण)

सार्वजनिक सूचना सं० ४६-आईटीसी (पीएल) / ८४

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1984

विषय:- 1884-85 के लिए 20 मिलियन (20,000) रुपए की जापानी प्रदान सहायता के अस्तर्गत भेजने का विवरण दिया जाएगा।

प्रिसिल सं० थोर्पीसी/23(6)/84 :—जारीनी अनुशास सहायता 20
मिलियन येन के घटर्गत नेशनल कार्डिसिल भाफ साइन्स ब्यूजियम द्वारा
थोर्पीसी विजियल उपकरण के आयात के लिए आयात लाईवेस जारी करने के
लिए लागू जैसी शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिषिष्ठ में दी गई हैं, उन्हें
आपकर्त्ता के लिए अधिसूचित किया जाता है।

प्राचीन ग्रन्थों के साथ लिखित अवधि वा विभिन्न

• इंगित घटनालय की सर्वोभविक सूचना। सं० 4-8-मार्फतीसी (पोएन) / 84
दिनांक 18-8-1984-ले लिए परिचय

1984-85 के लिए 20 मिलियन (20,000) में से जापानी अनुवान समर्थन को समर्पित जापान से भारत में प्रोटोकॉल विविध उपकरण प्रौद्योगिकीय विविध उपकरण उपकरण

सेवामणों की भारत में परस्तनों तक से जाने के लिए आवश्यक सेवामणों के आयात के लिए लाइसेंस देते।

खण्ड-1. सामान्य शर्तेः—

1(1) 1984-85 के लिए 20 वित्तियन येन (लाता और भाका) की जापानी अनुदान सहायता का उद्दीप्त भ्रोडियो विशिष्ट उपकरण और सेवाओं के आधार के लिए जापानी संघरक्षकों की भुगतान करने के लिए और भारत में नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस और एजेंट एजेंस, कलकत्ता और भारत के अस्त्रों पर उच्चान्वयन के लिए प्रत्याक्षक सेवाओं के लिए उपयोग करना ।

(2) भ्रातारके नाममें अधिपति भाइसेस कुल मिलाहर 22 "भ्रातार-यन" बैन (लगत जीमा जाडा) मूल्य से विधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए "धीर उन पर एक शीर्षक "1984-85" के लिए 20 रुपयिन यैन जापानी अनुदान सहजता" होना चाहिए। प्रथम धीर द्वितीय "प्रथम" के लिए अनुदान अनुदान "प्रथम" देना।

१(३) वैक पाक इतिहा, दोकियों की लैंक-चर्च, असाम का जेत्रण, सामुदायन्य वैक प्रणाली के माडपरम से किया जा सकता है, के प्रतिरक्षत विवेदी मूढ़ा यदि कोई हो, के किसी भी शेषण की भव्यता आवात-कल्पनासे के प्रति अहीन दी जाएगी। भारतीय प्रभिकर्ता के कमीशन के प्रति यदि कोई हो तो कोई भी भुगतान प्रभिकर्ता को भारतीय रूपए में चुकाना चाहिए। जैकिन, ऐसे सुनाने लाइसेंस भूत्य के ही भाग हींगे प्रीर इत्तिए लाइसेंस पर ही प्रभारित किए जाएंगे।

1(4) इस भनुवान सहायता के अधीन सामान केवल जापान से प्राप्त किया जाना चाहिए।

1(5) जापान लाइसेंस 31-3-1985 तक की अवधि के साथ लागत बीमा भाड़ा के आधार पर जारी किया जाएगा।

1(6) संविदा में नकद आधार पर अधीन बैंक आक इडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा भेत्रलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुरुईगी की प्रवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए:—

“सुरुईगी 15-3-1985 तक पूर्ण की जानी है”

1(7) संविदा का मूल्य (केवल लागत तथा भाड़ा आधार पर) में मृदगारी जाना चाहिए (मेन के मिल को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोहिंहो भारतीय अधिकारी का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रूपए या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थित में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए।

जहाँ अपर्याप्त निशुल्क लागत बीमा और भाड़ा धनराशि अवगत-अवगत प्रवधित की जा सकती है, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च भास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का खर्च भास्तविक खर्चों के अतिरिक्त देय धनराशि होगी।

1(8) क्रय संविदा केवल जापानी राष्ट्रियों अवधारा जापानी राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित जापानी स्थायिक अधिकारी के साथ की जानी चाहिए।

खण्ड-2—संभरण ठेकों में निम्ननियत शर्तें विशेष रूप से समाधिष्ट होनी चाहिए:—

2(1) 1984-85 के लिए 20 भिलियन येन की अनुवान सहायता से सम्बद्ध इस संविदा की व्यवस्था 11 मई, 1984 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन होगी।

2(2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1984-85 के लिए जापानी अनुबन्ध सहायता के अधीन बैंक आक इडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित मंत्रालय आधिकारी कार्य विभाग, यूसीओ० बैंक विलिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई विल्लो-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और जापान सरकार द्वारा प्रयोगित हो।

2(4) जापानी संभरक भारतीय धूतावास, टोकियो के परामर्शी से पोतलदान की व्यवस्था करने को तैयार है और उसके लिए संबंधित माल की सुरुईगी के कार्यक्रम की भारतीय धूतावास, टोकियो को सूचना देगा और अपेक्षित पोत परिवहन के लिए छ: सप्ताह पहले ही भारतीय धूतावास, टोकियो को अधिसूचित करवाएगा जिससे उक्त व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय भायातक यह चाहता हो, अधिसूचना की प्रवधि कम की जा सकती है। भारतीय व्यापारी देते हुए प्रत्येक पोतलदान के बाद जापानी संभरक को भायातक कों के प्रत्यक्ष सूचना भेजते के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय धूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन

3(1) जैसे ही भावेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की ओर प्रतियों या जापानी संभरकों को भारतीय भायातक द्वारा दिए गए क्रम भावेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण भावेश की ओर प्रतियों या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध-I के प्रति में “प/बो

जारी करने के घोषेवन” की 2 प्रतियों सहित प्रबर संविद (ए/ए) आधिकारी कार्य विभाग, वित मंत्रालय, नार्थ ब्नाक, नई विल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय यह तू या उसकी कीमत के अनुबन्ध भागोंपर्वती से उत्तरन सभी संविदा संशोधनों के लिए भी ताजा होगी।

3(2) वित मंत्रालय (डीए) जारी अनुभाग 1984-85 के लिए 20 भिलियन येन की जापानी अनुबन्ध सहायता के अधीन वितवान देने के लिए संविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए सेत्रेगा, और इसके लिए साध-साथ उत्तरवाता (1) में उत्तिवित दस्तावेजों का ए-ट्रैकिंग लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के द्रूतावास, टोकियो की भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के आद वित मंत्रालय, आधिकारी कार्य विभाग, नार्थ ब्नाक का जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आधिकारी कार्य विभाग, वित मंत्रालय, यूसीओ० बैंक विलिंग, संसद भार्ग, नई विल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आक इडिया, टोकियो के अनुबन्ध 2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियों भारत का धूतावास टोकियो आधिकारी भारत में भायातक के बैंक और वित मंत्रालय, आधिकारी कार्य विभाग के जापान अनुभाग की भेजी जाएगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाव बैंक आक इडिया, टोकियो जापान सरकार, भारत का राजधूतावास टोकियो, भारत में भायातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत कराएगा।

3(5) पोतलदान करने के बाव जापानी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से ए/पी में उत्तिवित दस्तावेज बैंक आक इडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेंगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आक इडिया, टोकियो दस्तावेजों में उत्तिवित धनराशि को जापानी संभरक को प्रस्तुत बैंकरों के माध्यम से दिखा करेगा।

3(6) जापानी संभरक, को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आक इडिया, टोकियो को वेत्य बैंक भारत सरकार के लेखों को प्रमाणित किए विना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में भायातक से सम्बद्ध बैंक द्वारा बैंक आक इडिया टोकियो को धन परेवित करके निर्णीत किया जाएगा।

खण्ड-4 धन्या जमा करने का उत्तरवापित्व

4(1) मूल विनियम प्रति परिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक आक इडिया टोकियो द्वारा भारत में भायातक के सम्बद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीय कृषि बैंक जो अनुबन्ध 1 के (प) में उत्तिवित है, की शाखा होगी। उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम सेट के बाव इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाव ही सम्बद्ध भायातक को देने चाहिए तिनि जापानी संभरक को भुगतान गई ही येन धनराशि के अवारद वस्त्रा अन्य मामलों में जहाँ देने योग्य है अपार जो खर्च से सहेज सहित संभरक की भुगतान कर दिया है और उत्तर धन राशि पर जापानी संभरक का बैंक आक इडिया टोकियो द्वारा भुगतान की विधि तो वस्त्रवित रुपया जमा करने की विधि तक की प्रवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष को दर से और शेष प्रवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दिसाव लगाकर अपार जमावनि मूवना सं. 31-प्राइटोसी (प/एन)/83 दिनांक 10-8-83 के अनुसार सरकारी लेखों में जमाकर दिया गया है। अपार दोनों दिनों दिनों प्रथम अवधि वित्र जमावनि संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस वित्र सरकारी लेखों में धन्या जमा किया जाता है के लिए ये है। लेकिए सर्वेजनिक सूचना सं. 103-प्राइटोसी (पीएन)/76 दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-प्राइटोसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-74 भुगतानों की येन धनराशि के बराबर रुपए की गणना करने के लिए प्रपत्ता जाने

वाली विनियम दर मुक्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन) / 70 दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मुद्रा विनियम दर तौर पर दी गयी थी वह दर होती जो कि मुख्य नियंत्रक आयात नियंत्रित की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय बैंक के मुख्य विनियम परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस संबंध में कोई भी परिवर्तन जब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तराधिकार संबंध भारतीय बैंक का होगा कि आयात दम्पत्तेवज्र आयातकों को सोने से पहले देव धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। लाइसेंसधारी को भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकरों से वस्ताविज लेने से पहले ही देव धनराशि लेख में सही रूप से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चय करने की आयातक की नियंत्रित होगी कि देव धनराशि सरकारी लेखों में ठीक से जमा करना दी गई है जब कि उन्होंने विशेष परिस्थितियों में सीमा पूँछ प्राप्तिकारियों से माल की सुपुंगी प्राप्त भी हो। उस मामले में जब आयातक सरकार को देव धनराशि माल छुकवाने से पूर्व जमा करवाने में असमर्थ होता है तो उसे आगे एल ए एस जारी करना रोक दिया जाएगा और मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित को तथ्यों से अवगत करवाया जाएगा ऐसे ऐसे आयातक को भागे कोई आयात लाइसेंस न जारी किया जाए। जिस लेखा भीष्म में उपर्युक्त रूपया जमा करना चाहिए वह “के दिवोजिट्स एड इडान्सिज—843 रिविल विपोजिट्स—दिवोजिट फोर परसेजिङ एस्ट्राइ एस्ट्राइ परसेजिङ प्रार्डर ग्रान्ट एड काम गवर्नरमेंट आफ जापान” फार 1984-85 ग्रान्ट फार गरवेज आफ रेडियो वित्रियु-ग्राल इक्विपमेंट/सर्विसेज फार वि परवेज आफ ड्रेनिंग वि एक्सर्टेंस आफ दि नेशनल कार्डसिल आफ साइंस म्युजियम कलकता।

4(2) नालाल के शाएं फोरे में कोड नं. 5130000009 दिलाई हुए उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक नई विली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी विली में सरकार की साथ में नक्व जमा होनी चाहिए या यदि वह मुख्यधारानक न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसके अपर्याप्त किसी भी राष्ट्रीय छूट बैंक (हुण्डी कर्ता) से प्राप्त एक हुण्डी (डिमाउड ड्राइट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी शाखा विली-6 (हुण्डी ग्राह्य और आपाक) की सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन) / 68 दिनांक 30-8-68 सं. 233-आईटीसी (पीएन) / 68 दिनांक 24-10-68 सं. 132-आईटीसी (पीएन) / 71 दिनांक 5-10-71 सं. 74-आईटीसी (पीएन) / 74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी (पीएन) / 76 दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन प्रेषण करना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि भेजा खाली के नियम भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मानी जाए। चालान के विभिन्न कालांकों को भरने समय आयातकों/इनके बैंकरों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि भारतीय सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन) / 76 12-10-76 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन) / 71 दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी (पीएन) / 74 दिनांक 31-5-74 में भी निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन प्रेषण और प्राधिकारी (मदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे” में निरपवाव रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित और निरपवाव रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्रियु-ग्राल धनराशि के लिए प्राधिकार पद (ए/पी) की सं. और दिनांक ।

(ख) येत मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निशेप किए जाने हैं।

(ग) जापानी संभरक को धनराशि करने की तिथि ।

(घ) चुकाए गए ध्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए बहु गिना गया है।

(इ.) जमा को गई कुल धनराशि ।

(ध्याज की गणना जापानी संभरक को धनराशि की तिथि से सरकारी लेखों में समनुच्छ रखा जाना करने की तिथि तक की अवधि के लिए की जानी है।

उसके पश्चात सी.ए.एल. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए भूगतान के लिए प्राधिकार पद का संबंध देखे हुए और बीजंक तथा पोत परिवहन वस्ताविजों की प्रतियों को संबंध रखने करने हुए ज्ञाना चालान रखया जमा करने का साथ देखे हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निशेप बैंक आफ इंडिया टोकियो से प्रदायनी की सूचना और आरिवर्तनीय पोतलदान वस्ताविजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाव रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी.ए.ए.एण्ड ए. वित्रियु-ग्राल य (प्राधिक कार्य विधान), नई विली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में सम्बद्ध बैंक आफ इंडिया को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रखया जिसीं भी धनराशि का पृष्ठाकान करना चाहिए और प्रधिकार “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-5 विविध धार्ते

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भूगतान के लिए प्राधिकार पद जारी होने के बाद आयातक को पोतलदानों और उनके अधीन किए गए भूगतानों के संबंध में और जो पोतलदान होने वाली हैं उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी.ए.ए.एण्ड ए. प्राधिक कार्य विधान वित्रियु-ग्राल मार्ग संबद्ध विली को भेजनी चाहिए।

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल के आयात से संबंधित किसी ऐसी विशेष धार्ते से संभरक को अवगत करायें जो समझते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालती हो।

3(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यह कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायिक नहीं लेती। बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा धनराशि को सूर्य संभरक द्वारा पूरी भी जाने वाली धार्ते साक्षात् “धनराशि के नियमों” में अनुबंध-1 में आयातक द्वारा दर्शाई जानी चाहिए। विवादों से निपटने वाली धार्ते टेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

5(4) अविष्य अनुरोध

आयातों या उनके संबंध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित जापान से 1984-85 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आयातों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर आदी किए गए नियमों या अनुदेशों या आदेशों का प्रायातक को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उत्तराधिन

अपर्युक्त धार्तों में निर्धारित की गई धार्तों के अतिक्रमण या उत्तराधिन करने पर आयात-नियंत्रित (नियंत्रण) प्राधिकारियम के प्रधीन उत्तिर कार्रवाई की जाएगी।

5(6) प्राविधिकी सूची

अनुबंध-1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रक्रम।

अनुबंध-2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का प्रपत्र

अनुबंध 1

"भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र संख्या-

विवरण

सेवा में

सहायता सेवा, तथा लेखा, परीक्षा नियंत्रक
वित्त मंत्रालय, आधिकारिक कार्य विभाग,
मुख्य सी. ओ. बैंक इंडिया, प्रधम मंजिल
परिवारमेंड, स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विवर:—1984-85 के लिए येत्रे 20 मिसिंग्स की जापानी भुगतान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्रों पर लाने के लिए आवश्यक उपकर प्राधिकारियों विज्ञुपत्र और सेवाओं का प्राप्तात।

महोदय

आरंडेलिंग्स-प्राविधिकी भुगतान सहायता के प्रशील जापान से सफर्जुत उपकर के प्राप्तात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित घोरे भेजते हैं जिसे कि प्राप्त समय जापानी संभरक के पत्र में बैंक भाव इंडिया टोकियो को भुगतान के लिए प्रार्थना प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें।

(क) भारतीय आयातक का नाम और पत्र।

(ख) भारत सरकार की संख. दिन घोर सूत्र और वह तिथि जब तक यह महं चैक है।

(ग) प्राधिकारित के तरीके का यह प्रत्यक्ष जारीत पर आधारित है या सीमित छह दिनों तिथियों पर आधारित है। इस समय में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करता है कि क्या संविदा का निर्यत उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) मौल का संविधान विवरण।

(ङ) माल का उद्दम देश।

(च) संविदा का कुल सामग्र और माला मूल्य (येत्रे में)

(छ) यदि कोई होते भारतीय इवए में भारतीय एवेंट के क्षेत्रों की जापानी

(ज) वह कुल सामग्र तथा भाला मूल्य (येत्रे में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की प्राप्तात है।

(झ) जापानी संभरकों के माय की गई संविदा का नाम और विनांक

(झ) जापानी संभरक का नाम और पत्र।

(झ) वेभुगतान घोर-संभावित तिथि जिसको संविदामय के प्रस्तावत भुगतान देते हैं।

(ठ) योन-की सुरुचिगी पूरी करने की प्रत्याशित तिथियों

(झ) बैंक भाव इंडिया टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की सेवा और उसका निपटान दरकार है)

(झ) पोतलदान घनुदेश (प्रानुमेय या गैर अनुमेय/वाहनस्तरण/प्राणिक पोतलदान निरिष्ट कीजिए)।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पत्र।

(त) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—“इस एतद्वारा वचन देते हैं कि हम किसी संभरक को देय अनुरागी के सामुद्र रूप की पूर्ण जापानी को सरकार द्वारा निर्धारित विभाग से वीर प्रवालित वह प्रमाणी है जो जापानी करवा देने वाल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परिवर्जन की सुरुचिगी प्राप्त करने से पूर्व इंडिया गोप्ता ही जापानी करवा दी जाएगी किसी राष्ट्रिय राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के आवश्यकता में जीसे ही दृष्टियाँ द्वारा विभाग संभरक के संगत बीजक प्रदूषित किए जाते हैं भारत संभरक को भुगतान किया जाता है ऐसे ही राष्ट्रिय जापानी की जाएगी।”

मतदीय,

अनुबंध 2

सं. एन

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(आधिकारिक कार्य विभाग)

महं विल्सी, विनांक

सेवा में

बैंक भाव इंडिया,

टोकियो शाखा

टोकियो (जापान)

विवर:—1984-85 के लिए येत्रे 20 मिसिंग्स की जापान भुगतान के अंतर्गत जापान से भारत में पत्रों पर लाने के लिए आवश्यक उपकर आधिकारियों विज्ञुपत्र और सेवाओं का आवास भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ..... को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिषिष्ट में दिए गए यथा संक्षेप व्यापे के अनुसार संभवी..... को..... में अनुरागी के भुगतान के लिए प्राधिकार किया जाता है।

2. कुपवा भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचता के और इसकी प्रत्येक सूचता पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राज्यसभावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएँ।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिषिष्ट में यथा संकेतित लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जायेगा।

4. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकरों के प्रभार को भेजने आदि के लिए बाइंक सहित अदा किए जाने वाले बैंकिंग भाइ आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जीते ही जापानी संभरक द्वारा प्रकृत विषय गद्द संकात दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचता निर्धारित प्रवत्र में इस प्रत्यावर्त्य और आयातक के बैंक से भेजी जाएँ आवश्यक है।

6. यह भुगतान प्राधिकार पत्र के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र..... तक वैध रहेगा।

मतदीय,
(सेवा प्राधिकारी)

प्रति-निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक को उनके पत्र सं. दिनांक के संबंध में। उनसे अनुरोध किया जाता है।

कि वे वैदिकों से पटकाय वस्तावें हैं। जैसे सुखरंगी लेने से मर्याद अपने वैदिकों के माध्यम से वैष्णव निषेध आदि की जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिस्थितियों में वाहू से भूत परिकहन वस्तावें प्रस्तुत किए बिना सीमा गुल्म प्राप्ति नहीं और पतन के प्राधिकारियों से भाल की सुखरंगी सीधे ही प्राप्त हो जाए हो, तो वहाँ सुखरंगी प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। किंवशी संभवतः द्वारा वी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बीजिक अनुमेवित किए जाते हैं वैसे ही धनराशि जमा करवा देनी चाहिए। योग्य ही और सही रूप से धनराशि जमा करवाने में अमर्याद होने पर लाइसेंसिंग गती में उत्तिष्ठित कार्राई की जाएंगी।

2. आयातक का बैंक उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो, श्रीलंका से दस्तावेज़ प्राप्त करने पर आवश्यकी संभरकों को येन भुगतान के बजाए बाकी समय जमा करने की अवधियाँ करें। सभरकों को चुकायी गई धनराशि के बजाए बाकी समय जमा करने की अवधियाँ ऐसी सार्वजनिक सूचना संख्या ८-आई टी सी (पी एन) / ७६, विनाक १२-१-७६ या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विवेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रविष्ट परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विवेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से भारतीय बैंक की अवधियाँ करने की तिथि तक सरकार के लिए में तुल्य रूपया जमा करने की अवधि के लिए मार्वेजनिक सूचना संख्या ३१-आई टी सी (पी एन) / ८३ विनाक १०-८-८३ के अनुसार पहले ३० दिनों के लिए १२% वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए १८% की दर से व्याज भी सरकारी लेखे में जमा करना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए वैद्य होगा अर्थात् वह तिथि जिसकी विवेशी संभरक की भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिस विन सरकारी लेखे में रूपया निषेध किया जाता है। (यदि इस दर में कोई परिवर्तन होगा तो इसकी सूचना दरमान दी जाएगी)।

दस्तावेजों का मूल सेट विए जाने से पूर्व वह धनराशि जमा कराई जाती है। आलान के दाएं कोने के कोड नं० 5130000009 वर्णि शुए ये धनराशियाँ था॒ लो रिकॉर्ड बैंक आफ देखिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इडिया तं० स हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिया था स्टेट बैंक आफ इडिया का॑ निसी शाखा या इककी अनुसंधानी संस्थाओं या किसी भी राज्योंका॑ द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इडिया, तीन हजारी शाखा, दिल्ली 6 (अन्दर शिर्फ़ और आदाना) के नाम में और उसकी देव दर्शनी हुण्ठी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संवेदन में आपका॑ इस सार्वजनिक सुनकर सं० 233-आई ई॒ सी॑ (पी॒ एन॑) / 60 दिनांक 24-10-68, सं० 13-आई ई॒ सी॑ (पी॒ एन॑) / 71 दिनांक 5-10-71, सं० 74-आई ई॒ सी॑ (पी॒ एन॑) / 74 दिनांक 31-5-71 और सं० 103-आई ई॒ सी॑ (पी॒ एन॑) / 76 दिनांक 13-10-76 की शरणों की ओर दिलाया जाता है। लेखक शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जायगी वह “के” डिपोजिट ए॒ एक्सालिस 843 सिविल डिविडेंस डिपोजिटम्—फार परेजिन एट्सेट॒ एक्सालिस प्रस्तोता ग्राम्प ए॒ फार वि॒ गवर्नरेंट आफ जापान फार 18-4-68 द्वारा अभी विस्तृत लेखा सं॒ बैंक नैशनल काउंसिल आफ मै॒ इस म्यूलियम कलकत्ता के एक्सपर्ट को प्रशिक्षण देने के लिए आविष्यि॒ विजयुल्ल और उपर्कर॒ सेवामी के॒ जापान के लिए ये॒ 20 मिलिन अरु॒ उन सहायता॒

जिस मामलों में तस्कु हवया विष्वर्क बैक अफ हैंडिया, नई दिल्ली या स्टेटेंट बैक आफ हैंडिया तंत्रिक हवयारी में सावन्जनित मृत्यु का नं० 132-आई टी सी (पी.एन.)/71 विनाक 5-10-71 के अनुसार नक़र जमा किया जाता है उनमें शालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैक आफ हैंडिया, टोकियो यात्रा से प्राप्त सूचीकृत पृष्ठी विवरण देखे हुए प्रेषण पक्ष सहित उनके हाथ से निम्नलिखित पते पर भेजों जाएगी:-

किंस मंडपालग, (आर्थिक कार्य विभाग)
पहाड़ी मंजिल पू सी ओ० बैंक बिल्डिंग,
संसद भवन, नई दिल्ली-110001

जिस मामले में तुल्य रूपया उमर एकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्षनों मुण्डो द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रूपए का पूरा व्योग हम विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बीचर के खानों सहित यदि कोई हो तो, वैकिंग खर्च और बैक आफ़ इंडिया, टोकियो बाल्च के अन्य खनों प्रृथिव्य में बैक और बैक आफ़ इंडिया, टोकियो शाक्वा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे ।

4. भारतीय दूसावास, टोकियो

५. अवर सचिव (टी ए) शास्त्रा, वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग,
मई विल्ली ।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 46-ITC(PN)/84

New Delhi, the 18th August, 1984

Subject : Licensing conditions for import of Audio-Visual equipment and services necessary for the transportation of equipment to ports in India from Japan by the National Council of Science Museums, Calcutta under Japanese Gram Aid for 1984-85 of Yen twenty million.

File No. IPC/23(6)/84.—The terms and conditions governing imports under the Japanese Grant Aid of Yen 20 million of Audio-Visual equipment from Japan by the National Council of Science Museums, Calcutta, as given in Appendix to this Public Notice, are notified for information.

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports

Appendix to Ministry of Commerce Public Notice No.
46-ITC(PN)/84, dated the 18th August, 1984

Licensing Conditions for import of Audio Visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1984-85 of Yen twenty million (Yen 20,000,000).

Section I. General Conditions :

I. (i) The Japanese Grant Aid for 1984-85 of Yen 20 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of audio visual equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the National Council of Science Museums, Calcutta.

I (ii) The import licence should be issued for an amount not exceeding Yen 22 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 20 million Japanese Grant Aid for 1984-85". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN".

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will therefore, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1985.

I (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1985"

I (vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals.

Section II.—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 11th May, 1984 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 20 million for 1984-85 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1984-85.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III. Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (I.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA), Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1984-85 of Yen 20 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department

of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the supplier who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittance to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76-dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited in to the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the custom authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843 Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan"— for 1984-85 Grant for purchase of the audio visual equipment/services for the purpose of training the experts of the National Council of Science Museums, Calcutta.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in full to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, indicating Code No. 5130-009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 510-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans.

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid.—The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made thereagainst and about the balance left, to the Controller of Air Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect suppliers in carrying out the transaction.

V (ii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V. (iv) Future Instructions.—The importer shall comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1984-85 from Japan.

V (v) Breach or violation.—Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P

Annexure II :—Form of A/P

Annexure-I

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject : Import of audio visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 20 million for 1984-85.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian Importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Account of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate).
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of Importers bank in India.
- (p) Undertaking by the importer.—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee

equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

Yours faithfully,

Annexure-II

No. F.

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs

New Delhi.....

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject : Import of audio visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 20 million for 1984-85. Issue of Authorisation to pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto _____.

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as

the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may call for action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan, or in the S.B.I. Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I. Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits and Advances-843 Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1984-85 under detailed head Y' 20 million grant aid for purchase of the audio visual training equipment/services for the purpose of training the experts of the National Council of Science Museums, Calcutta.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (IA), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

()

Accounts Officer